



सा.अ. 16/14

11 अगस्त 2017

प्रिय साथी,

आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि साहित्य अकादेमी देश की स्वतंत्रता की 70वीं वर्षगाँठ के अवसर पर 15 अगस्त 2017 को 'मेरे लिए स्वतंत्रता का अर्थ' विषय पर एक परिसंवाद का आयोजन सायं 4.00 बजे, रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़ शाह मार्ग, स्थित सभाकक्ष में कर रही है।

जैसा कि आप जानते हैं स्वतंत्रता की अवधारणा एवं दर्शन को अनेक तरह से समझा और अभिव्यक्त किया गया है – विशिष्ट जीवन परिस्थितियों में वैयक्तिक स्वतंत्रता और आत्मा की मुक्ति से लेकर किसी खास भौगोलिक क्षेत्र की विदेशी शासन से मुक्ति तक, आदि-आदि। आज़ादी की 70वीं वर्षगाँठ ने हमको एक अवसर दिया है कि हम आज़ादी को विभिन्न परिप्रेक्ष्य में देखें और जानें। इस परिसंवाद में देश के जाने माने लेखक, संपादक, पत्रकार और बुद्धिजीवी भाग ले रहे हैं। ये सभी, अपने-अपने क्षेत्रों में उनके लिए स्वतंत्रता का क्या अर्थ है, विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। प्रमुख वक्ता हैं – के.के. एन. दारूवाला, चित्रा मुद्गल, असगर वजाहत, लीलाधर मंडलोई, प्रयाग शुक्ल, गीतांजलि श्री, शरण कुमार लिंबाले, मालन वी. नारायणन, वेंकटेश रामकृष्णन, अनंत विजय, मुकेश भारद्वाज, अभय कुमार दुबे, नलिनी, श्यौराज सिंह बेचैन एवं समीर तांती।

मेरा अनुरोध है कि इस महत्वपूर्ण आयोजन में आप भी शामिल हों और अपने समाचार पत्र/पत्रिका/चैनल के संवाददाता को इसकी रिपोर्टिंग/कवरेज करने के लिए भेजने का अनुग्रह करें। इसके लिए हम आपके आभारी रहेंगे।

सादर, शुभकामनाओं सहित।

आपका,

(के. श्रीनिवासराम)

संलग्न : निमंत्रण पत्र